(b) The total value of agricultural output for the year 1994-95 was Rs. 2,21629 crores *{Source* : Central Statistical Organisation, Government of India).

(c) The average product specific Aggregate Measurement of Support (AMS) was calculated for the reference period of 1986—89 only, as required under GATT.

Statement

Average value of Applied Administered Price, External Reference Price and the Eligible production during 1986—89 calculated for GATT-94.

Agricultural Product .	Applied Administered price (Rs. per tonne)	External ref. price (Rs. per tonne)	Eligible production (million tonne)
Rice	2280	3520	62.64
Wheat	1740	3540	49.98
Bajra	1373	2704	5.20
Jowar	1373	2945	10.52
Barley	1383	4024	1.59
Maize	1373	3121	7.18
Gram	2983	4128	4.43
Groundnut	3966.67	6900	7.63
Rapeseed & Mustared	4350	6884	3.48
Cotton	5633	17333	1.25
Soyabean (Yello"<>	3033	3081	1.09
Urad	3350	4385	1.37
Moong	3350	4782	1.24
Tur	3350	5243	2.41
Tobacco	12.38	12.24	92.33
Jute (Raw)	2383	5599	1.19
Sugarcane	188.33	156.16	88.28

SOURCE : Ministry of Commerce

लघु (मिनी) इस्पात संयंत्रों में अलाभकारी उत्पादन

869. **श्रीमती सुषमा स्वराज** : क्या **इस्पात** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि **:**

(क) क्या यह सच है कि देश में बढ़ रही बिजली की दरों के कारण देश के लघु इस्पात संयंत्रों का उत्पादन दिन-प्रति दिन अलाभकारी होता जा रहा है;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में सरकार की प्रतिक्रिया क्या है;

(ग) क्या सरकार ने कोई सर्वेक्षण करा कर देश में विभिन्न प्रकार के इस्पात की निर्माण लागत में अंतर्ग्रस्त विद्युत प्रभारों की प्रतिशतता का पता लगाया है; और

(घ) यदि हां, तो विभिन्न प्रकार के इस्पात की कुल निर्माण लागत में अंतर्ग्रस्त विद्युत प्रभारों का प्रतिशत कितना-कितना होता हैं?

इस्पात मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सन्तोष मोहन देव) : (क) और (ख) विद्युत चाप भट्टी (ई.ए.एफ) इकाइयों को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करने वाले कारणों में एक कारण विद्युत की उच्च लागत है । इस संबंध में संबंधित राज्य सरकारों को लिखा गया है ।

(ग) और (घ) हालांकि देश में विभिन्न किस्म के इस्पात की निर्माण लागतों में अन्तर्गस्त विद्युत प्रभारों की प्रतिशतता का पता लगाने के लिए कोई सर्वेक्षण नहीं किया गया है परन्तु विभिन्न विद्युत गलन प्रक्रियाओं के जरिए इस्पात के उत्पादन के तुलनात्मक लाभ/हानि का पता लगाने के लिए 1995 में एक अध्ययन दल गठित किया गया था । इसकी रिपोर्ट से पता चलता है कि मृदु इस्पात की उत्पादन लागत में विद्युत लागत की प्रतिशतता 10/12 टन ई.ए.एफ. में लगभग 15.46% और 35 टन ई.ए.एफ. में लगभग 12.86% के बीच है । मिश्र इस्पात के मामले में यह 12% है तथापि, उत्पादन लागत में विद्युत लागत की प्रतिशतता फर्नेश के आकार के अतिरिक्त अन्य संबद्ध सुविधाओं पर भी निर्भर करती है ।